कन्हैया एक नज़र | By Baal Kishan Kumar (Bunty)

कन्हैया एक नज़र जो आज तुझको देखता होगा
मेरे सरकार को किसने सजाया सोचता होगा
कन्हैया एक नज़र जो .....

ज़माने भर के फूलों से कन्हैया को लपेटा है
कली को गूंध कर कितने ही गजरो में समेटा है
सजा श्रृंगार ना पहले न कोई दूसरा होगा
कन्हैया एक नज़र जो .....

सजाकर खुद वो हैरान है की ये तस्वीर किस की है
सजाया जिसने भी तुझको तो ये तक़दीर उसकी है
कभी खुश हो रहा होगा, खुशी से रो रहा होगा
कन्हैया एक नज़र जो .....

फ़रिश्ते भी तुझे छुप छुप के कान्हा देखते होंगे
तेरी तस्वीर में खुद की झलक वो देखते होंगे
हर्ष के दिल पे जो गुज़री वो तू ही जानता होगा
कन्हैया एक नज़र जो .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-by-baal-kishan-kumar-bunty/